

Padma Shri



SHRI K. KESAVASAMY

Shri K. Kesavasamy is a well trained puppetry artist and performer. He is the Director and Founder President of Karai Raman Creations Traditional and Educational Puppet Shows - International Puppetry Research Centre, Karaikal. Over the past 40 years, he has successfully conducted more than 2000 String Puppet shows. His shows are specialized in historical stories, mythological/ Purana stories and also general public awareness theme shows, comical plays, health and social awareness program his in primary health centers, schools, in villages etc.

2. Born on 20th April, 1943, Shri Kesavasamy, over 40 years, trains and prepares students to excel in the field of puppetry that involves puppet making, puppet manipulation, costume preparation for puppets, script writing, singing, playing instruments, dialogue delivery, stage performance during audio visual programs. These kind of trainings enable the students and participants to gain knowledge, technical skills and practical experiences to perform the puppet show independently.

3. Shri Kesavasamy has invented different methods of puppet. His puppets looks so real like human beings with colourful costumes. He handles perfect manipulation and conducted more than 2000 puppet shows with historical stories, epic stories, mythological stories, social awareness shows and comedy stories customized for kids. His puppet shows contributes to the welfare of our society by performing health / education awareness programs customized in different regional languages to make people understand better in their regional languages i.e. Tamil, Malayalam, Hindi and also in English in order to perform in different states such as Puducherry, Tamil Nadu, Kerala, Delhi, Chandigarh and Andaman Islands. In South Zone Cultural Centre, Thanjavur, he worked as a Guru in Guru Sishya Parambara Scheme. Resource person of puppetry, he conducted various training programs across Tamil Nadu under the said scheme.

4. Shri Kesavasamy is reviving this dying art in the midst of so many difficulties, he trains students free of cost to make this rare traditional art to live forever. Currently, in Tamil Nadu only very few artists are surviving in this rare field, he is one among them with different innovative ideas. When he was General Council Member in Sangeet Natak Akademy, New Delhi for five years, he justified his role by suggesting many worthy suggestions to upbring this dying art and struggling artists of puppetry.

5. The awards and achievements of Shri Kesavasamy does not limit only in the field of art, he is a multi faceted person, a social worker, a free old age home establisher and a homeopathy medical practitioner. He treats patients free of cost from the day he started his medical service to the society.



श्री के. केसवसामी

श्री के. केसवसामी एक सिद्धहस्त कठपुतली कलाकार और परफॉर्मर हैं। वह कई रमन क्रिएशंस ट्रेडिशनल एंड एजुकेशनल पपेट शो—इंटरनेशनल पपेटरी रिसर्च सेंटर, कराईकल के निदेशक और संस्थापक अध्यक्ष हैं। वह पिछले 40 वर्षों के दौरान, 2000 से अधिक सफल कठपुतली कार्यक्रमों का प्रदर्शन कर चुके हैं। उनके शो ऐतिहासिक कहानियों, पौराणिक कथाओं और जन जागरूकता थीम शो, हास्य नाटकों पर आधारित होते हैं और वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, गांवों आदि में स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

2. 20 अप्रैल, 1943 को जन्मे, श्री केसवसामी 40 वर्षों से कठपुतली कला के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित और तैयार कर रहे हैं जिनमें कठपुतली बनाना, कठपुतली नचाना, कठपुतली के लिए पोशाक तैयार करना, पटकथा लेखन, गायन, वाद्ययंत्र बजाना, संवाद और दृश्य श्रव्य कार्यक्रमों के दौरान मंचीय प्रदर्शन शामिल हैं। इस तरह के प्रशिक्षण से छात्र और प्रतिभागी स्वतंत्र रूप से कठपुतली प्रदर्शन करने के लिए ज्ञान, तकनीकी कौशल और व्यावहारिक अनुभव हासिल करते हैं।

3. श्री केसवसामी ने कठपुतली के अलग-अलग रूपों को ईजाद किया है। उनकी कठपुतलियां रंग-बिरंगी वेशभूषा में एकदम इंसानों की तरह असली लगती हैं। वह बिल्कुल सटीक कठपुतलियां नचाते हैं और उन्होंने ऐतिहासिक कहानियों, महाकाव्यों की कहानियों, पौराणिक कथाओं, सामाजिक जागरूकता शो और खासतौर से बच्चों के लिए तैयार की गई हास्य कहानियों को मिलाकर 2000 से अधिक कठपुतली शो किए हैं। उनके कठपुतली शो विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में स्वास्थ्य और शिक्षा जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा समाज के कल्याण में योगदान करते हैं। वह विभिन्न राज्यों जैसे पुदुच्चेरी, तमिलनाडु, केरल, दिल्ली, चंडीगढ़ और अंडमान द्वीप समूह में वहां की क्षेत्रीय भाषाओं यानी तमिल, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में कठपुतली प्रदर्शन करते हैं जिससे लोगों को बेहतर ढंग से जानकारी प्राप्त हो सके। दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, तंजावुर में, उन्होंने गुरु शिष्य परम्परा योजना में एक गुरु के रूप में काम किया। उन्होंने उक्त योजना के तहत, कठपुतली नृत्य के रिसोर्स पर्सन के रूप में पूरे तमिलनाडु में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

4. श्री केसवसामी इतनी सारी कठिनाइयों के बीच इस मृतप्राय कला को पुनर्जीवित कर रहे हैं। वह इस दुर्लभ पारंपरिक कला को चिरकाल तक जीवित रखने के लिए छात्रों को मुफ्त में प्रशिक्षण देते हैं। अभी, तमिलनाडु में इस विशिष्ट कला के बहुत कम कलाकार बचे हैं, लेकिन वह उनमें से एक हैं जिनके पास नए-नए विचार हैं। जब वह संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली में पांच वर्षों के लिए आम परिषद के सदस्य थे, तो उन्होंने इस मृतप्राय कला को बचाने और संघर्ष कर रहे कठपुतली कलाकारों के संरक्षण के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

5. श्री केसवसामी के पुरस्कार और उपलब्धियां केवल कला के क्षेत्र तक ही सीमित नहीं हैं। वह एक बहुआयामी व्यक्ति, एक सामाजिक कार्यकर्ता, निःशुल्क वृद्धाश्रम संस्थापक और एक होम्योपैथी चिकित्सक हैं। जिस दिन से उन्होंने समाज के लिए अपनी चिकित्सा सेवा शुरू की थी, तभी से वह रोगियों का निःशुल्क इलाज करते हैं।